इन–लाइन चेकर

योग्यता पैक

रेफ. आई.डी. : ए.एम.एच./ क्यू0501

क्षेत्र

अपैल्स, मेडअप्स और होम फर्नीशिग

कक्षा

9वीं एवं 10वीं

पं.सुं.श. केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान, भोपाल

(राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद की एक घटक इकाई, के तहत शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार), श्यामला हिल्स, भोपाल – 462002 (म.प्र.)

www.psscive.ac.in

व्यावसायिक शिक्षा

भारत में व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (वीईटी), अनौपचारिक और गैर–औपचारिक क्षेत्रों के माध्यम से आयोजित किये जाते हैं। वीईटी विभिन्न टार्गेट ग्रुप्स और शिक्षार्थियों की कौशल आवश्यकताओं के अनुसार विभिन्न रूपों में प्रदान किया जाता है। विभिन्न मंत्रालयों में से केन्द्रीय कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमओएसडीई) तथा केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय (एमओई) कौशल विकास योजनाओं और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के लिए मुख्य रूप से उत्तरदायी हैं। स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के माध्यम से तैयार किए गए वीईटी प्रावधान स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग तथा शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत आते हैं। पॉलिटेक्निक कॉलेजों, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों, जन शिक्षण संस्थानों, राष्ट्रीय उद्यमिता और लघु व्यवसाय विकास संस्थान के माध्यम से प्रदान की जाने वाली व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के अंतर्गत आते हैं। शिक्षार्थियों की विभिन्न प्रोफेशनल आकांक्षाओं और शैक्षिक लक्ष्यों को पूरा करने के लिए आवश्यक ज्ञान, कौशल और दृष्टिकोण के व्यवस्थित अधिग्रहण के लिए स्कूल जरूरी वातावरण प्रदान करते हैं। स्कूली शिक्षा आधारित व्यावसायिक ज्ञान विभिन्न नौकरियों की एन्ट्री–लेवल (प्रवेशात्मक स्तर) जरूरतों के लिए प्रशिक्षण प्रदान करता है।

व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत विभिन्न सैद्धांतिक विषयों एवं पाठ्यक्रमों का समावेश किया गया है। इनका उद्देश्य छात्रों के उन मूलभूत ज्ञान, कौशल एवं स्वभावगत विशेषताओं का विकास करना हैं जो उन्हें स्किल्ड पशेवर या व्यवसायी बनने में सहायता करेंगे। व्यावसायिक शिक्षा को समग्र शिक्षा (स्कूली शिक्षा की एक इन्टीग्रेटेड शिक्षा) के अंतर्गत लागू किया गया है।

श्रम बाजार की बढ़ती मांगों को पूरा करने और कुशल जनशक्ति के विकास के लिए व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (वीईटी) के लिए मान्यता प्राप्त है। वीईटी विशिष्ट जॉब रोल्स पर केंद्रित है और इस तरह का व्यावहारिक ज्ञान और कौशल प्रदान करता है, जो व्यक्तियों को विशिष्ट व्यावसायिक गतिविधियों में संलग्न होने के लिए सशक्त करता है। यह न केवल व्यक्तियों को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि उद्योगों में उत्पादकता बढ़ाने में भी मदद करता है।

व्यावसायिक विषयों को 2012 में माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा के व्यावसायीकरण की संशोधित योजना के तहत पेश किया गया था। इसमें ग्रेड 9 से 12 (4 वर्षीय पैटर्न) में एक जॉबलरोल को पढ़ाया गया था। इस योजना को 2018 में समग्र शिखा अभियान (एसएसए) और राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (आरएमएसए) के साथ समग्र शिक्षा में शामिल किया गया था। राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 (एनईपी–2020) में व्यावसायिक शिक्षा पर जोर दिया गया है। एनईपी–2020 में उचित सामाजिक स्थिति प्रदान करने और सामान्य शिक्षा के साथ व्यावसायिक शिक्षा के एकीकरण के लिए एक प्रणाली विकसित करने के लिए व्यावसायिक शिक्षा की पुनर्कल्पना (री–इमेजिंग) की गई है।

अपैरल, मेड–अप्स और होम फर्निशिंग (एएमएचएफ) सेक्टर के बारे

अपैरल, मेड–अप्स और होम फर्निशिंग सेक्टर हमारे देश में सबसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में से एक है। यह विभिन्न तैयार उत्पादों का कच्चे माल से उत्पादन करते हैं। इस क्षेत्र में डिजाइनिंग, पैटर्न, कटिंग, सिलाई, परिधान, मेड–अप और होम फर्निशिंग आइटम की फिनिशिंग और सजावट से संबंधित गतिविधियां शामिल हैं।

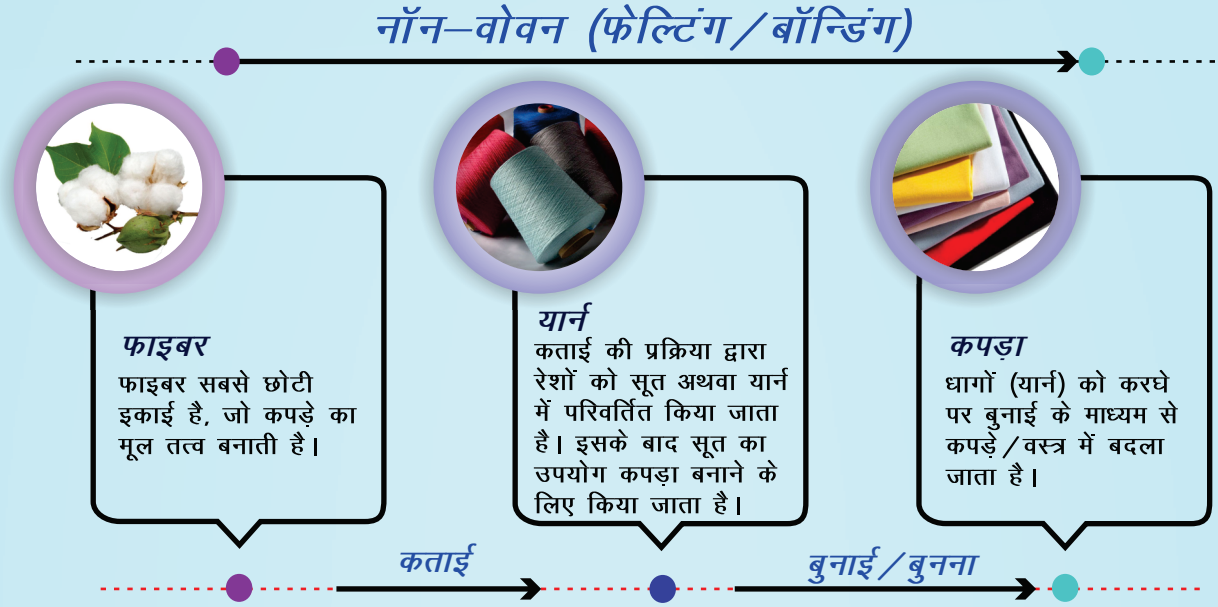

वस्त्र/परिधान उत्पाद विकास योजना के चरणों से होकर गुजरता है और प्रत्येक चरण में गुणवत्ता नियंत्रण के साथ निष्पादन होता है।

- नियोजन में डिजाइनिंग, लक्ष्य ग्राहक की पहचान, लागत अनुमान आदि जैसी गतिविधियां शामिल हैं।
- निष्पादन में काटना, सिलाई, फिनिशिंग, पैकिंग आदि शामिल हैं।
- गुणवत्ता नियंत्रण और निरीक्षण।
- उत्पादों में परिधान, मेड–अप, होम फर्निशिंग और सामान शामिल हैं।

अर्थव्यवस्था में एएमएचएफ क्षेत्र का योगदान

टॅक्सटाइल व अपैरल उद्योग भारत में दूसरा सबसे बड़ा रोजगार का माध्यम है। भारत न केवल कपास, जूट व सिल्क के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक है बल्कि इस उद्योग में बड़ी संख्या में रोजगार देने की भी क्षमता है। इन उद्योगों में लगने वाले मैन पावर की ट्रेनिंग एएमएचएफ सेक्टर के विभिन्न जॉब रोल्स के माध्यम से की जाती है।

उपर्युक्त चित्र भारत के विकास में एएमएचएफ क्षेत्र के योगदान को दर्शाता है। एएमएचएफ ने न केवल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में योगदान दिया है, बल्कि निर्यात का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनकर अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा दिया है। यह क्षेत्र देश में रोजगार सृजन में युवाओं के विकास और जीवन स्तर में सुधार के लिए महत्वपूर्ण रहा है।

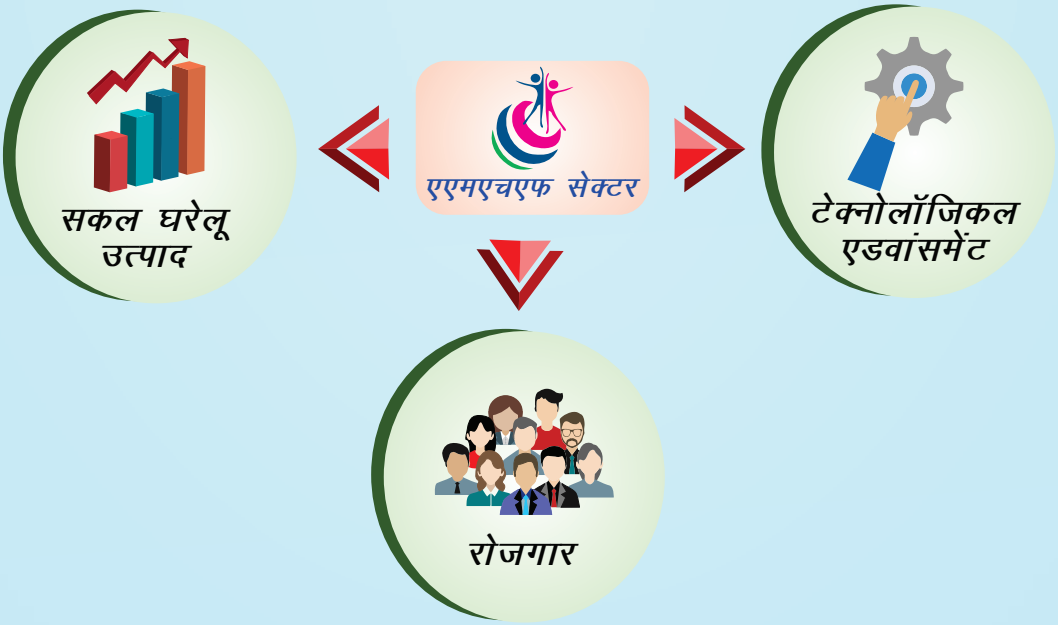

एएमएचएफ क्षेत्र का योगदान

परिधान उद्योग के घटक

एएमएचएफ क्षेत्र को दो प्रमुख खंडों में विभाजित किया जा सकता है:

- फाइबर टू फैब्रिक (कपड़ा उद्योग)
- फैब्रिक टू प्रोडक्ट (परिधान उद्योग)

एएमएचएफ क्षेत्र में कपड़ा उद्योग में फाइबर को धागे या कपड़े (नॉन वोवन) और धागे को कपड़े (वॉवन/निटेड कपड़ा) में बदलना शामिल है। कपड़े को रंगाई, छपाई, कढ़ाई, अलंकरण और परिष्करण तकनीकी का उपयोग करके सुंदर बनाया जाता है।

उपर्युक्त तरीके से कपड़ा बनाने के बाद कपड़ा उद्योग में इस कपड़े से तैयार परिधान, होम फर्निशिंग वस्तुऐं और एसेसरीस आदि बनाए जाते हैं।

एएमएचएफ से जुड़े अन्य उद्योग हैं:

परिधान उद्योग बहुत ही विस्तृत है तथा इसमें विभिन्न प्रकार की प्रक्रियाओं को अंजाम दिया जाता है। यह एक डिजाइन विचार से शुरू होता है और परिधान तैयार होकर ग्राहक तक पहुंचने पर खत्म होता है। ये प्रक्रियाएं एक परिधान उद्योग के विभिन्न विभागों द्वारा पूरी की जाती हैं। प्रत्येक विभाग एक विशिष्ट कार्य के लिए जिम्मेदार होता है और सभी विभागों का उद्देश्य उचित लागत और समय के भीतर अच्छी गुणवत्ता वाले उत्पाद उपलब्ध कराना होता है। विभिन्न विभाग इस प्रकार हैं–

- मर्चेंडाइजिंग विभाग
- स्टोर विभाग
- कटिंग विभाग
- सिलाई विभाग
- धुलाई विभाग
- परिष्करण और पैकिंग विभाग
- गुणवत्ता नियंत्रण और निरीक्षण।
- रखरखाव विभाग
- वित्त और लेखा विभाग
- प्रशासन विभाग

जॉब रोल के बारे में

अपैरल मेड–अप्स होम फर्निशिंग क्षेत्र में विभिन्न जॉब रोल हैं जिन्हें कोई भी अपने पेशे के रूप में चुन सकता है और अपने कौशल को बढ़ा सकता है। यह क्षेत्र उभरते उम्मीदवारों को नौकरी के कई अवसर प्रदान करने पर केंद्रित है। इसमें परिधान उद्योग से संबंधित सभी नौकरियां जैसे पैटर्न मास्टर, स्व–नियोजित दर्जी, हाथ कढ़ाई आदि और स्व–स्वामित्व वाले छोटे व्यवसाय जैसे कढ़ाई इकाई, बुटीक, डिजाइन स्टूडियो आदि शामिल हैं। राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) द्वारा एपेरल, मेड–अप और होम फर्निशिंग सेक्टर के तहत जॉब रोल निम्नानुसार हैं:

01	फेब्रिक चेकर
02	इन-लाइन चेकर
03	लेयरमैन
04	माप परीक्षक
05	प्रेसमैन
06	सिलाई मशीन ऑपरेटर
07	कढ़ाई मशीन ऑपरेटर (जिगजैग मशीन)
08	निर्यात सहायक
09	फ्रेमर- कम्प्यूटरीकृत कढ़ाई मशीन
10	गारमेंट कटर (सीएएम)
11	हाथ की कढ़ाई
12	गुणवत्ता मूल्यांकनकर्ता
13	नमूना करण दर्जी
14	एडवांस पैटर्न मेकर (सीएडी/सीएएम)
15	फेशन डिजाइनर
16	क्यूसी कार्यकारी- सिलाई लाइन
17	मर्चेंडाइजर
18	मशीन रखरखाव मैकेनिक (सिलाई मशीन)
19	निर्यात कार्यकारी
20	निर्यात प्रबंधक
21	सैंपल कोऑर्डिनेटर
22	औद्योगिक अभियंता (आईई) कार्यकारी
23	उत्पादन पर्यवेक्षक सिलाई
24	फैक्टरी अनुपालन लेखा परीक्षक
25	विशेष सिलाई मशीन ऑपरेटर
26	सहायक डिजाइनर- होम फर्निशिंग
27	सहायक डिजाइनर- मेडअप्स
28	सहायक फैशन डिजाइनर
29	बुटीक प्रबंधक
30	कटिंग सुपरवाइजर
31	फेब्रिक कटर-(परिधान निर्मित अप और होम फर्निशिंग)
32	फिनिशर
33	हाथ की कढ़ाई (अड्डावाला)
34	लाइन पर्यवेक्षक सिलाई
35	मर्चेंडाइजर-मेड-अप और होम फर्निशिंग
36	ऑनलाइन नमूना डिजाइनर
37	पैकर
38	पैटर्न मास्टर
39	प्रसंस्करण पर्यवेक्षक (रंगाई और मुद्रण)
40	रिकॉर्ड कीपर
41	स्व-नियोजित दर्जी
42	सिलाई मशीन ऑपरेटर (बुना हुआ)
43	सोर्सिंग मैनेजर
44	स्टोर कीपर
45	वाशिंग मशीन ऑपरेटर

ए.एम.एच.एफ सेक्टर में इन लाइन चेकर की एक महत्त्वपूर्ण भूमिका होती हैं। अपैरल सेक्टर से संबंधित इन लाइन चेकर का महत्वपूर्ण स्थान होता हैं। इन लाइन चेकर कपड़े की कभी पहचान, कपड़े के कटे हुए विभिन्न भागों का ध्यानपूर्वक निरीक्षण कर, उपभोक्ता तक दोष रहित उत्पादन पहुँचाने में सक्षम है। यह पाठ्यक्रम छात्रों कों बिना परेशानी के निर्दिष्ट तरीके से बेहतर लक्ष्य निर्धारित करने में सक्षम बनाता हैं। अतः एक इन–लाइन चेकर के लिए अच्छी नजर, बुनियादी गणित की जानकारी और नजरिया आवश्यक है।

भूमिका और जिम्मेदारीयां

1. कपड़े में त्रुटि एवं कमियों को पहचानना।
2. परिधान बनाने के लिए कपड़े के काटे गए विभिन्न भागों का ध्यानपूर्वक निरीक्षण करना।
3. उद्योगों में काम करते हुए गुणवत्ता मापदंडों का पालन।
4. नीतियों, प्रक्रियाओं, नियमों का निमयों का नियमित रूप से पालन करना।
5. संस्था प्रबंधक सावधान रहें। साथ ही कार्यरत कर्मचारियों को भी जागरूक करें।

छात्रों द्वारा स्वयं को पूरी तरह इन–लाइन चेकर के रूप में बदलने के उद्देश्य को पूरा करने के लिए अनेक व्यावहारिक और सैद्धांतिक प्रशिक्षण आवश्यक हैं। अतः ग्यारवी–बारहवीं के इस पाठ्यक्रम को इस तरह विभाजित किया गया है कि विद्यार्थी को कुशल इन–लाइन चेकर बनाने में सहायक हो सके।

कक्षा – 11वीं

इकाई– 1 इन–लाइन चेकर परिचय और अभिविन्यास

इस इकाई में छात्रों को परिधान उद्योग और इसके विभिन्न विभागों के बारे में जागरूक किया जाऐगा। परिधान उद्योग के बुनियादी ज्ञान और उपयोग किए जाने वाले उपकरणों, कटिंग और सिलाई आदि की प्रक्रिया को समझने के लिए तैयार किया जाता हैं। सिलाई मशीन का आगे का ज्ञान और उसका उपयोग छात्रों को सिलाई में दोषों को पहचाने के लिए प्रदान किया जाता हैं।

इकाई– 2 इन–लाइन चेकर की भूमिका और जिम्मेदारियां

इस इकाई में छात्रों को इन–लाइन चेकर की भूमिकाओं और जानकारियों के साथ–साथ इन–लाइन चेकर की आवश्यकता के बारे में भी बताया गया है। इन–लाइन चेकर की भूमिका को पूरी तरह से समझाने के लिए, विभिन्न प्रकार के रेशों, धागों और कपड़ों के बारे में बताया गया है, ताकि वे निरीक्षण प्रक्रिया में सक्षम बन सके।

इकाई – 3 गारमेंट निरीक्षण तकनीक

इस इकाई में छात्र सामग्री की उपयोगिता और विशिष्टता से संबंधित मानको के बारे में सिखते हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उत्पाद वांछित गुणवत्ता का हैं। छात्रों को विभिन्न परिधानों और उसके घटकों के बारे में सिखाया जाता है ताकि कमियों की पहचान कर निर्दिष्ट प्रक्रिया के अनुसार उसका विश्लेषण कर सके। इससे कपड़ों की गुणवत्ता का मूल्याकन करनें और छात्रों को प्रदान की गई विशिष्टताओं और गुणवत्ता नियत्रंण प्रक्रियों के बारे में सम्पूर्ण ज्ञान प्राप्त करने में सहायता मिलती है।

इकाई–4 एक स्वच्छ और जोखिम मुक्त कार्यस्थल बनाये रखें

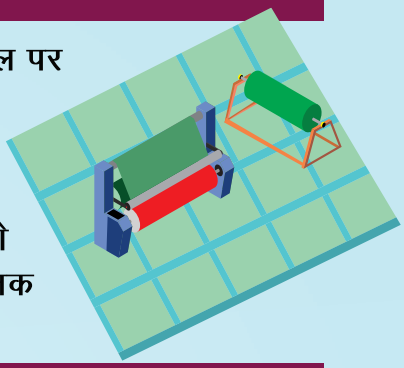

इस इकाई में छात्र स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं सुरक्षा का कार्यस्थल पर महत्व तथा कार्यस्थल पर उनके रखरखाव के बारे में पढ़ेंगे। साथ ही वे कर्मचारियों व आगंतुकों के स्वास्थ्य व सुरक्षा की जिम्मेदारियों के वहन के बारे में भी पढ़ेंगे। इस इकाई में वे कार्यस्थल पर एक ऐसे वातावरण के निर्माण के बारे में पढ़ेंगे जो सभी कर्मचारियों के लिए शारीरिक, मानसिक व सामाजिक रूप से लाभकारी हो।

इकाई–5 कार्यस्थल पर स्वास्थ्य, बचाव और सुरक्षा

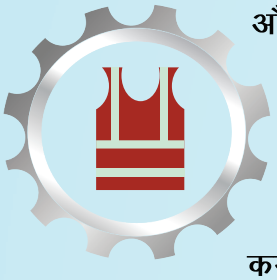

इस इकाई में छात्रों श्रमिकों के स्वास्थ्य और सुरक्षा का उनकी उत्पादकता और दक्षता पर असर के बारे में पढ़ेंगे। साथ ही कर्मचारियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा का ध्यान रखना और उन्हें सुरक्षित कामकाजी माहौल प्रदान करने के बारे में भी पढ़ेंगे। यहां छात्र विभिन्न संभावित स्वास्थ्य और सुरक्षा खतरों, जोखिमों को समझेंगे और विभिन्न स्वास्थ्य और सुरक्षा संबंधी आचरण के बारे में भी जानेंगे, जिनका किसी भी संगठन में कर्मचारियों और परिसर को सुरक्षित रखने के पालन के बारे में जानेंगे।

इकाई–6 उद्योग एवं संगठनात्मक आवश्यकताऐं

इस इकाई में छात्र संस्थागत नियमों, अनुपालनों व उनमें लगने वाले विभिन्न दस्तावेजों के बारे में पढ़ेंगे। वे ग्राहकों से संबंधित नियमों व इनकी जरूरतों के बारे में भी पढ़ेंगे। नैतिकी बाध्यताएं व उनसे संबंधित दस्तावेज साथ ही साथ इन नियमों से विचलन (डीविएशन) के बारे में भी जानेंगे।

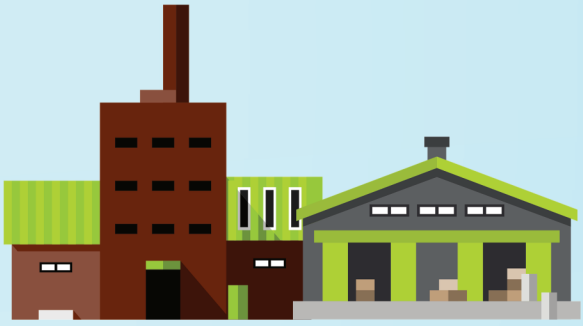

कक्षा – 12वीं

इन–लाइन चेकर की उपलब्धि प्राप्त कर लेने के बाद इन–लाइन चेकर परिभाषित पाठ्यक्रम को पूरा करके अपनी विशेषज्ञता के सतर को उन्नत करने के लिए आगे बढ़ता है।

इकाई–1 शारीरिक माप की जानकारी और परिधान घटक का विश्लेषण

इस इकाई में छात्र को विभिन्न शारीरिक माप और गारमेंट साइज के बारे में बताया जाता हैं। यहाँ स्पैक शीट के साथ क्रॉस–चेकिंग के बाद परिधान में आवश्यक सुधार सके। साइज के अनुसार घटकों की छँटाई, बंडलिंग, लेबलिंग करने के संबंध में पढ़ाया जाऐगां।

इकाई–2 गुणवत्ता जाँच और परीक्षण

यह इकाई परिधान उद्योग में गुणवत्ता के महत्त्व को सिखाती है। यहां कच्चे माल से लेकर तैयार उत्पादन तक उत्पादन के सभी स्तरों पर परीक्षण करने के लिए परिधान घटकों पर चर्चा की गई है। निरीक्षण की रिपोर्टिंग में सहायता के लिए छात्रों को स्पैकशीट, ट्रिमकार्ड और स्वैचकार्ड से भी अवगत कराया जाता है, चूँकि तैयार वस्त्र वांछित गुणवत्ता का होना चाहिए इसलिए तैयार वस्त्र के इन–लाइन निरीक्षण और रिपोर्टिंग के संबंध में मार्गदर्शन पाठ्यक्रम में शामिल हैं।

इकाई–3 त्रुटि/दोषों का वर्गीकरण एवं रिपोर्टिंग

इस इकाई में छात्रों को विभिन्न प्रक्रियाओं के बारे में पूरी जानकारी दी जाती है, जो परिधान तैयार करने के लिए अपनाई जाती है और यह भी बताया गया है कि परिधान की अंतिम गुणवत्ता पर इसका क्या प्रभाव पड़ता है। तैयार वस्त्रों के निरीक्षण के संबंध में ध्यान रखे जाने वाले सभी कारक जैसे कि कपड़ों के वर्गीकरण और कमियों में सुधार के लिए दिशा–निर्देश पाठ्यक्रम में शामिल हैं। दृश्य निरीक्षण की प्रक्रिया और इसकी रिपोर्टिंग इन–लाइन चेकर का एक प्रमुख कार्य है और इसलिए, छात्र को तैयार करने के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम एक भाग के रूप में तैयार किया जाता हैं।

इकाई–4 स्वच्छ और जोखिम मुक्तकार्य क्षेत्र

यहां छात्र स्वच्छ और जोखिम मुक्त कार्यस्थल के महत्व और प्रासंगिकता के बारे में जानेंगे। वे कर्मचारियों और आगंतुकों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने के बारे में भी जानेंगे। दुर्घटनावश गिरने से रोकने के लिए साफ सतह, उपयुक्त जूते और चलने की उचित गति के महत्व व उनकी सुनिश्चितता के बारे में भी जानेंगे। सीढ़ियों और गलियारों की सफाई, सूखापन और दुर्घटनाओं को कम करने और एक सुरक्षित कार्यस्थल सुनिश्चित करने के बारे में भी इस इकाई में चर्चा की जाएगी।

इकाई–5 कार्यस्थल पर स्वास्थ्य, बचाव और सुरक्षा

इस इकाई में छात्र स्वास्थ्य, बचाव और सुरक्षा के कार्यस्थल पर महत्व तथा उनकी आवश्यकता के बारे में जानेंगे। कर्मचारियों के बारे में जानेंगे। वे सुरक्षा से संबंधित जोखिम व आपात स्थितियों के बारे में भी पढ़ेंगे। छात्र इस इकाई में मशीन व उपकरणों में आने वाली खराबियों को समझने व उसकी रिपेरिंग के बारे में भी जानेंगे। इसके अलावा आपात स्थितियों की ठीक तरह सूचना प्रदान करने के बारे में भी जानेंगे।

इकाई–6 उद्योग और संगठनात्मक आवश्यकताएं

इस इकाई में छात्र संस्थागत नियमों, अनुपालनों व उनमें लगने वाले विभिन्न दस्तावेजों के बारे में पढ़ेंगे। वे ग्राहक से संबंधित नियमों व इनकी जरूरतों के बारे में भी पढ़ेंगे। नैतिकी बाध्यताएं व उनसे संबंधित दस्तावेज साथ ही साथ इन नियमों से विचलन के बारे में भी जानेंगे।

रोजगार के अवसर

इन लाइन चेकर के दायरे का अनुमान इसमें निम्नलिखित प्रस्तुत अवसरों के आधार पर लगाया जा सकता है।

स्व रोजगार

- इन–लाइन चेकर के रूप में फ्रीलांसर

वैतनिक रोजगार

- एक्सपोर्ट हाउस में इन–लाइन चेकर के पद पर
- फैशन डिजाइनर के अंतर्गत इन–लाइन चेकर के रूप में
- प्रोडक्शन हाउस में इन–लाइन चेकर के रूप में

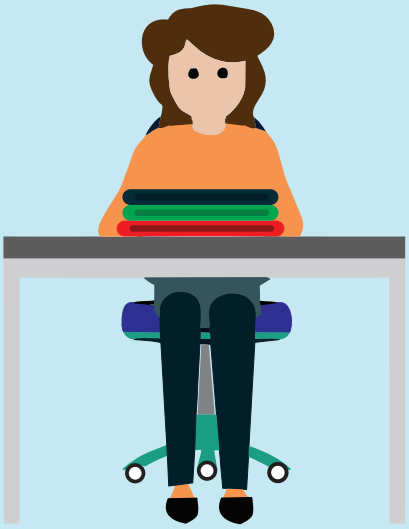

विकास

इन–लाइन चेकर का कोर्स पूरा करने के बाद, विकास के अवसर क्षैतिज और लंबवत दोनों तरह से उपलब्ध है। अवसर बहु–कार्यात्मक रूप से भी उभर सकते हैं जिससे नए मार्ग प्रशस्त हो सकते हैं, जिनसे रोजगार के नये मार्ग प्रशस्त हो सकते है, जैसे कि:

क्षैतिज

- फेब्रिक चेकर
- गुणवत्ता जांच और परिक्षण

लंबवत

- इन–लाइन चेकर
- इन–लाइन सुपरवाइजर
- बाईंग हाउस में इन लाइन डिपार्टमेंट हेड
- एक्सपोर्ट हाउस
- एक्सटाईल डिजाईन

बहुस्तरीय

- इन–लाइन चेकर
- इन–लाइन सुपरवाइजर
- फैब्रिक सुपरवाइजर
- फैब्रिक हेड
- बाईंग हाउस
- एक्सपोर्ट हाउस
- टेक्सटाइल डिजाइनर

ऑन-द-जॉब ट्रेनिंग

अतः कार्य प्रशिक्षण/ऑन जॉब प्रशिक्षण बौद्धिक विकास कभी रूकता नहीं है और इसलिए, प्रशिक्षण और पाठ्यक्रमों को बौद्धिक रूप से विकसित करने के लिए, और अधिक उपयोग किया जा सकता है।

1. एन.जी.ओ. ट्रेनर
2. ट्रेनिंग संस्थान

PSSCIVE के बारे में

पं.सुं.श. केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान, भोपाल

पंडित सुंदरलाल शर्मा सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ वोकेशनल एजुकेशन (पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई.) व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में एक शीर्ष अनुसंधान और विकास संगठन है। यह शिक्षा मंत्रालय के अन्तर्गत [पूर्व मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एम.एच.आर.डी.)], भारत सरकार द्वारा 1993 में स्थापित राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एन.सी.ई.आर.टी.) की एक घटक इकाई है। यह भारत में यू.एन.ई.वी.ओ.सी. (तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय परियोजना) का नेटवर्क केंद्र भी है। संस्थान के पास विभिन्न विषयों के लिए बनाए गए विभागों के साथ 35–एकड़ में बना हुआ परिसर है। यहाँ पर कृषि और पशुपालन, व्यापार और वाणिज्य, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य और पैरामेडिकल विज्ञान, गृह विज्ञान और आतिथ्य प्रबंधन और मानविकी विज्ञान, की शिक्षा और अनुसंधान का कार्य होता हैं।

संस्थान व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता–प्रशिक्षण कार्यक्रम की विस्तृत श्रृंखला प्रदान करती हैं। संस्थान में प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु उच्च योग्य प्रशिक्षकों की टीम हैं, जो कि प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए आवश्यक उत्कृष्ट पेशेवर कौशल और अनुभव रखते हैं।

संस्थान ने व्यावसायिक शिक्षा में तेजी से विकास के मार्ग को प्रशस्त किया है, उद्योग की बदलती जरूरतों के प्रति सकारात्मक प्रतिक्रिया और कई बार व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव किए है। पिछले 25 वर्षों में संस्थान के विकास ने विभिन्न चुनौतियों का सामना किया हैं, लेकिन ये नए क्षितिज का पता लगाने और स्थानीय और वैश्विक कैनवास पर लोगों की कौशल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए रणनीतियों को फिर से तैयार करने की संभावनाओं एवं अवसरों के रूप में कार्य कर रहे हैं।

विद्ययाऽमृतमश्नुते
एन सी ई आर टी
NCERT

संयुक्त निदेशक
पं.सुं.श. केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान
श्यामला हिल्स, भोपाल – 462002, मध्यप्रदेश, भारत
फो.: +91 755 2660691 | फेक्स: +91 755 2927347, 2660580
ईमेल : jd@psscive.ac.in
www.psscive.ac.in | www.ncert2021.psscive.in